ANCIENT - HISTORY

★ हड़प्पा सभ्यता / सिंधु घाटी की सभ्यता [2500 BC – 1750 BC]
Harappan culture or I.V.C.

→ इस सभ्यता के संस्थापक थे → 'द्रविड' ← भारत के मूल निवासी थे

इस समाज मे माता मुखिया होती थी

→ मुख्य विशेषता → यह एक नगरीय सभ्यता थी।

→ अद्वितीय विशेषता → सुव्यवस्थित निकास प्रणाली (नालियो की व्यवस्था) सीवर system था।

→ विस्तार उत्तर मे "माढ़ा" से लेकर दक्षिण मे "भगटराव" तक
पश्चिम मे "सुत्कागेण्डार" " "पूर्व" मे "आलमगीरपुर तक

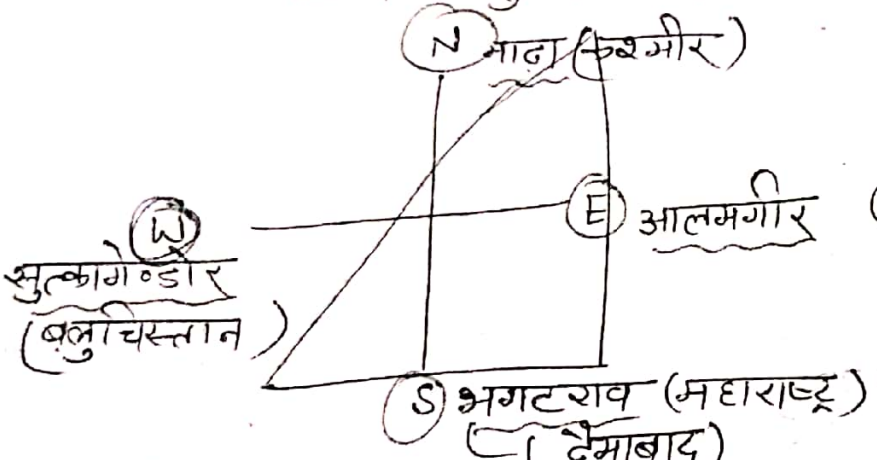

कुल क्षेत्रफल :→ 12,99,600 Sq km (Area)

(1) हड़प्पा :– मोंटगुमरी जिले मे (पंजाब के) पाकिस्तान मे (रावी नं के किनारे पर
इसकी खुदाई 1921 में दयाराम साहनी ने करवाई।
तमाम परिणाम मिले। (i) दुर्ग
(ii) आनाज भण्डार (गोदाम)
(iii) लाल चित्रित धूसित मृदभाण्ड
(iv) मिट्टी की मोहरे
(v) टेराकोट्टा (पक्की मिट्टी की मूर्तियाँ)

Scanned with CamScanner

(2) मोहनजोदडो – मृतकों का टीला
- पकिस्तान के लरकाना जिले सिंध मे बसा है। सिंधु नदी के किनारे
खुदाई करवाई → रखाला दास बनर्जी (1922) में
अवशेष :→(i) दुर्ग
(ii) विशाल अनाज भण्डार (हड़प्पा का कोठार गोदाम था)
(iii) विशाल स्नानागार
(iv) पशुपति शिव की मोहर मिली।
(v) कांस्य निर्मित नृतकी की मूर्ति मिली।
(vi) सूती वस्त्र के अवशेष (पूरे विश्व में सबसे पहले यहीं मिले)
(vii) सभाभवन के अवशेष

(3) लोथल - गुजरात मे। भोगवा नदी के किनारे है।
खुदाई → 1957 में रंगनाथ राव ने करवाई
1953 ×
अवशेष :– (i) बंदरगाह
(ii) युग्म समाधि (एक कब्र में दो मरे व्यक्ति की समाधि)
(iii) हवन कुंड
(iv) चावल के अवशेष
(v) हाथी दाँत के प्रमाण
(vi) शतरंज के प्रमाण

बंदर चावल हवन समाधि
हाथी शतरंज

(4) कालीबंगन :- घग्घर नदी के किनारे (राजस्थान में)
? खुदाई – (1961-62) में अमलानंद घोष, B.B. लाल, और B.K थापर ने)
अवशेष ; – (i) मिट्टी की काले रंग की चूड़िया
(ii) हल से खेती का प्रमाण
(iii) हवन कुंड
(iv) चावल का छिलका
(v) ऊँट की हड्डिया
(vi) नाप - तौल का पलड़ा (बाट, बट्टे आदी)

Scanned with CamScanner

सुतकोटडा – गुजरात

अवशेष – (i) घोड़े का कंकाल (लेकिन सिंधु निवासी घोड़े एवं लोहे से अपरिचित थे
इनका प्रयोग आर्यो ने किया]
मध्य एशिया से आर्य आए लोहा और घोड़ा ले

[6 Sep 2017]

⇨ सिंधु समाज मातृसत्तात्मक समाज था। माँ परिवार की मुखिया होती थी।
"मातृ देवी" की पूजा करते थे
दूसरे स्थान पर "पशुपति शिवा" की पूजा करते थे
"पीपल के वृक्ष की"
"साण्ड" की पूजा"
"साँप की पूजा"
"सुरा (शराब) की पूजा"

卐 चिन्ह यहीं से मिला

⇨ मुख्य व्यवसाय - Trade & Agriculture व्यापार एवं कृषि
अधिकतम व्यापार मैसोपोटामिया से होता था।
↓
(आज का इराक)

कृषि :→ गेहूँ most
जौ

⇨ मनोरंजन का मुख्य स्रोत = जुआ खेलना था
(1) द्वन्द होता था (WWE)
(2) साण्ड लड़वाना
(3) मुर्गे लड़वाना
(4) शिकार करते है (कौन ज्यादा मारेगा)

⇨ व्यापारी वर्ग ही शासक होता था / शासन होता था

⇨ यह लिपि अब तक पढ़ी नही गई है। चित्रात्मक लिपि थी
(400 से 460 चित्र है)

Scanned with CamScanner